पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधिकार में

दीवानी याचिका क्षेत्राधिकार वाद संख्या- 1419/2010

मालती देवी, स्वर्गीय अर्जुन कुमार की पत्नी, मोहल्ला- छोटी पहाड़ी, डाक
+ थाना- सोहराई, टाउन- बिहारशरीफ, जिला- नालंदा की निवासी।

.....याचिकाकर्ता

बनाम

1. बिहार राज्य
2. जिलाधिकारी, नालंदा
3. अपर कलेक्टर, नालंदा
4. उप कलेक्टर, भूमि सुधार, बिहार शरीफ, नालंदा
5. सर्कल ऑफिसर, बिहार शरीफ, नालंदा
6. सर्कल इंस्पेक्टर, बिहार शरीफ, नालंदा
7. राजेंद्र प्रसाद कुशवाहा उर्फ तारा महतो
8. चेत नारायण प्रसाद मोहल्ला- छोटी पहाड़ी निवासी स्वर्गीय गुरुदयाल महतो
के दोनों बेटे, डाक और थाना- सोहराई टाउन- बिहारशरीफ, जिला- नालंदा
9. देबिया देवी, पुलिस अधीक्षक, मोहल्ला- छोटी पहाड़ी और थाना- सोहराई
टाउन- बिहारशरीफ, जिला- नालंदा के निवासी लोकनाथ प्रसाद की पत्नी।

.....प्रतिवादीगण

भारत का संविधान- अनुच्छेद 226 तथा 227

रिट याचिका जिसमें आक्षेपित आदेश के खिलाफ जो दाखिल खारिज अपील में पारित किया गया था-मामले को मूल प्राधिकारी अर्थात् सर्कल अधिकारी को पुनः निर्धारण के लिये पहले ही भेज दिया गया है।

रिट याचिका गलत धारणा पर आधारित है, इसलिये खारिज की जाती है। सभी पक्षों को सारे तथ्यों और कानूनों को उठाने की स्वतंत्रता होगी।

पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधिकार में

दीवानी याचिका क्षेत्राधिकार वाद संख्या- 1419/2010

=====

मालती देवी, स्वर्गीय अर्जुन कुमार की पत्नी, मोहल्ला- छोटी पहाड़ी, डाक
+ थाना- सोहराई, टाउन- बिहारशरीफ, जिला- नालंदा की निवासी।

.....याचिकाकर्ता

बनाम

1. बिहार राज्य
2. जिलाधिकारी, नालंदा
3. अपर कलेक्टर, नालंदा
4. उप कलेक्टर, भूमि सुधार, बिहार शरीफ, नालंदा
5. सर्कल ऑफिसर, बिहार शरीफ, नालंदा
6. सर्कल इंस्पेक्टर, बिहार शरीफ, नालंदा
7. राजेंद्र प्रसाद कुशवाहा उर्फ तारा महतो
8. चेत नारायण प्रसाद मोहल्ला- छोटी पहाड़ी निवासी स्वर्गीय गुरुदयाल महतो
के दोनों बेटे, डाक और थाना- सोहराई टाउन- बिहारशरीफ, जिला- नालंदा
9. देबिया देवी, पुलिस अधीक्षक, मोहल्ला- छोटी पहाड़ी और थाना- सोहराई
टाउन- बिहारशरीफ, जिला- नालंदा के निवासी लोकनाथ प्रसाद की पत्नी।

.....प्रतिवादीगण

=====

उपस्थिति-

याचिकाकर्ता के लिये: श्री सुधीर कुमार, एडवोकेट

प्रतिवादी संख्या 7 से 9 के लिए: श्री आर. सी. सिन्हा, एडवोकेट

=====

कोरम: माननीय न्यायमूर्ति श्री बीरेन्द्र प्रसा वर्मा

मौखिक निर्णय

तिथि: 08.08.2016

पक्षों को सुना।

याची, प्रत्यर्थी अपर कलेक्टर, नालंदा द्वारा रिट याचिका के उपाबंध-5 में निहित 2003 के दाखिल खारिज अपील केस नंबर 1 में 17.06.2009 दिनांकित आदेश से व्यथित है, जिसमें प्रत्यर्थी नं. 7 की ओर से दाखिल पूर्वोक्त मामले को अंचल अधिकारी, बिहार शरीफ और डी.सी.एल.आर., बिहार शरीफ द्वारा पारित आदेशों को अपास्त करने के बाद अनुमति दी गई है और मामले को नए सिरे से निर्णय लेने के लिए एक निर्देश के साथ मूल प्राधिकारी अर्थात् सर्कल अधिकारी, बिहार शरीफ को भेज दिया गया है। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि आक्षेपित आदेश द्वारा मामले को मूल प्राधिकरण के पास भेज दिया गया है, जिसके बाद मामले को याचिकाकर्ता सहित सभी पक्षकारों की सुनवाई का अवसर दिये जाने के बाद कानून के अनुसार नए सिरे से तय किया जाएगा।

इसलिए, इस न्यायालय की सुविचारित राय में, वर्तमान दीवानी याचिका पूरी तरह से गलत धारणा है और तदनुसार, खारिज की जाती है।

तथापि, पक्षकार मूल प्राधिकारी के समक्ष तथ्यों और विधि के सभी मुद्दों को उठाने के लिए स्वतंत्र होंगे, जो उन्हें प्रश्नगत भूमि के संबंध में उपलब्ध होंगे।

(वीरेंद्र प्रसाद वर्मा, न्यायमूर्ति)

अरविंद/-

खण्डन (डिस्क्लेमर)- स्थानीय भाषा में निर्णय के अनुवाद का आशय, पक्षकारों को इसे अपनी भाषा में समझने के उपयोग तक ही सीमित है और अन्य प्रयोजनार्थ इसका उपयोग नहीं किया जा सकता। समस्त व्यवहारिक, कार्यालयी, न्यायिक एवं सरकारी प्रयोजनार्थ, निर्णय का अंग्रेजी संस्करण ही प्रमाणिक होगा साथ ही निष्पादन तथा कार्यान्वयन के प्रयोजनार्थ अनुमान्य होगा।